

न्याय
को
प्रति
समर्पित

श्री १०७२५ आवली पेशा हुई। वादीनी वकील
अपनों। प्रतिवादीगण के सम्पत्त पर
के रेस होकर जायी। प्रतिवादी नं. ६ के
सम्पत्त की अथ जाय, प्रतिवादी नं. ५ का
सम्पत्त डाइरिगलिसिड प्रो: उल्हा
न्यायालय समुप के वादीनी वकील का
कठ २ का तीन का डावात डजाई,
लेपिग कोई अथ नही जाय, प्रो:
वादीनी का वात डाइरिगलिसिड प्रो:
के (वादीनी प्रो) जहाँ है। आवली प्रो:
शुमार होकर दाखिल कराए। लेजा
से मकद

सहायक क्लर्क
(फास्ट-ट्रेक) चौहटन

